आचार्य श्रीधर

जीवन-परिचय : श्रीधर नाम के अनेक आचार्यों का परिचय इतिहास-ग्रन्थों में मिलता है, परन्तु प्रसिद्ध श्रीधराचार्य गणित और ज्योतिष विषय के विद्वान आचार्य हैं जो अन्य सभी श्रीधराचार्यों से भिन्न हैं। इनका नाम नन्दिसंघ बलात्कारगण के आचार्यों में मिलता है।

श्रीधराचार्य का उल्लेख भास्कराचार्य, केशव, दिवाकर और दैवज्ञ आदि अन्य प्रसिद्ध आचार्यों ने भी आदरपूर्वक किया है।

अनेक प्रमाणों और आचार्य द्वारा लिखित रचनाओं के अन्त: परीक्षण के आधार पर श्रीधराचार्य का समय ईस्वी सन् की आठवीं शती का अन्तिम भाग या नवम शती का पूर्वार्द्ध माना जाता है।

रचना-परिचय : श्रीधराचार्य की ज्योतिष और गणित विषयक चार रचनाएँ मानी जाती हैं—

1. गणितसार या त्रिंशतिका : गणितसार या त्रिंशतिका गणितविषयक ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ की नागरी अक्षरों में लिखी प्रति पंडित महेन्द्र कुमार न्यायाचार्य, काशी संस्कृत टीका सहित प्राप्त हुई थी। यह गणित का अद्‌भुत ग्रन्थ है। श्रीधराचार्य के गणितसम्बन्धी अनेक नियमों को भास्कर जैसे प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणकों ने ज्यों-का-त्यों स्वीकार किया है।

2. ज्योतिर्ज्ञानविधि : यह ज्योतिषशास्त्र का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। इसमें करण, संहिता और मुहूर्त्त इन तीनों विषयों का समावेश किया है। यह ग्रन्थ 10 अध्यायों में विभक्त है।

3. जातकतिलक : यह कन्नड़ भाषा में लिखित जातक सम्बन्धी ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ अभी उपलब्ध नहीं है।

4. बीजगणित : यह बीजगणित का ग्रन्थ है, परन्तु उपलब्ध नहीं है।